

白话古今奇闻秘事卷二

# 古今情海

原辑〔民国〕曹绣若  
主编 刘玉璞 梅敬忠

吉林文史出版社

白话古今奇闻秘事丛书

# 古 今 情 海

## (上)

原辑〔民国〕曹绣君

主编 刘 玉 瑛  
梅 敬 忠

吉林文史出版社

白话古今奇闻秘事丛书

# 古 今 情 海 (下)

原辑〔民国〕曹绣君

主编 刘 玉 瑛  
梅 敬 忠

吉林文史出版社

(吉)新字登07号

Gu jin Qing hai

古今情海(上下册)

刘玉瑛 梅敬忠 编著

责任编辑:徐 潜

封面设计:王笠君

封面绘图:矫玉璋

吉林文史出版社出版

787×1092毫米32开本37.75印张4插页850千字

(长春市斯大林大街副136号)

1994年2月第1版

1994年2月第1次印刷

长春市东新印刷厂印刷

印数:1—8 260册

定价:(上下册)23.00元

新华书店总店北京科技发行所发行

ISBN 7—80528—701—5/I·143

# 目 录

## (上 册)

### 卷一 情中侠

|         |    |
|---------|----|
| 奇女子     | 1  |
| 岂有弃夫    |    |
| 而能久安于吾者 | 7  |
| 云娘      | 8  |
| 凶手未悬    |    |
| 何颜从夫地下  | 9  |
| 大呼捕贼    | 10 |
| 陆员外赠妾柬  | 11 |
| 王忆香     | 11 |
| 贷钱赎故人女  | 12 |
| 备奁具嫁名士女 | 12 |
| 九十万钱赐原夫 | 13 |
| 矢以死白夫冤  | 13 |
| 胡子妻     | 14 |
| 袍中皆销金   | 15 |
| 破镜重圆    | 17 |
| 卖饼妻     | 19 |
| 飞剑取头    | 19 |
| 李香假母    | 20 |
| 还上襄王玳瑁筵 | 21 |
| 春风一曲杜韦娘 | 22 |
| 出力乃在游娼  | 23 |

|           |    |
|-----------|----|
| 危急中污人不能为  | 24 |
| 沈小霞       | 25 |
| 剑侠        | 26 |
| 贱吏不敢辱娘子   | 28 |
| 还妾        | 30 |
| 募银赎人妻     | 30 |
| 荆十三娘      | 31 |
| 谁能保妇女不遭患难 | 31 |
| 娄江妓       | 32 |
| 京师兵官      | 33 |
| 真个销魂      | 34 |
| 丁生        | 34 |
| 赠妓        | 36 |
| 昆仑奴       | 36 |
| 不欲遽恐拾叙人   | 39 |
| 此批离之章也    | 40 |
| 天理人心      | 40 |
| 为择婿嫁之     | 41 |
| 岂可令坐客不欢   | 42 |
| 尤鑫培       | 42 |
| 杨花        | 43 |
| 某优        | 45 |
| 三姑娘       | 45 |
| 炉台子       | 46 |

|     |    |
|-----|----|
| 程长庚 | 47 |
| 德珥如 | 50 |
| 杨小朵 | 51 |
| 盈盈  | 52 |
| 新娇  | 55 |
| 秋娘  | 56 |
| 金小宝 | 59 |

## 卷二 情中贞（上）

|            |    |
|------------|----|
| 夫天也可背乎     | 61 |
| 汝欲妻母耶      | 62 |
| 禽鸟且有雄死不再群者 | 62 |
| 平生喜说李氏断臂事  | 63 |
| 此亦为其夫耳     | 63 |
| 爪折尚不可何况其他  | 67 |
| 何面目见地下人    | 67 |
| 割耳全贞       | 68 |
| 待此水干时吾即嫁也  | 68 |
| 妾知守妾志尔     | 69 |
| 吾已与孙郎婚矣    | 70 |
| 陌上桑歌       | 70 |
| 我听尔哭心已碎矣   | 72 |
| 我邓家妇何归乎    | 72 |
| 柏舟之操不可夺也   | 73 |
| 引绳束发       | 74 |
| 有如此肉       | 74 |
| 强活二十余年     | 75 |
| 非妾公何以有今日   | 76 |
| 天乎亡矣吾谁与归   | 76 |
| 独腕尼        | 78 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 碎聘物       | 79  |
| 宁死不从      | 80  |
| 禽兽之行吾岂为乎  | 81  |
| 不饮他水      | 82  |
| 我心熬得如铁    | 82  |
| 割鼻不嫁      | 83  |
| 空房夜夜闻啼鸟   | 84  |
| 吾当以头与之    | 84  |
| 吾既庙见岂不为妇乎 | 85  |
| 只履击王头     | 86  |
| 连婉娘       | 86  |
| 此心终不亏     | 87  |
| 不堪金谷水     | 88  |
| 八日复苏      | 89  |
| 忍死事舅姑     | 90  |
| 胡催莲       | 91  |
| 盗不侵犯贞妇家   | 92  |
| 吾宁有死不受辱   | 93  |
| 抚孤与从死孰优   | 96  |
| 我藩篱自固     | 97  |
| 阴鹭台       | 98  |
| 怀夫余发以殓    | 98  |
| 泣受遗言      | 99  |
| 若威恶能守耶    | 100 |
| 吾节妇也      | 101 |
| 何出此不祥语    | 102 |
| 生身何罪与君相遇  | 103 |

## 卷三 情中贞（下）

|         |     |
|---------|-----|
| 李真童为女道士 | 104 |
|---------|-----|

|           |     |
|-----------|-----|
| 适际之难何节之有  | 104 |
| 贞女不假人以色   | 105 |
| 妾心已死      | 106 |
| 见者惊为人腊    | 107 |
| 求尽吾心而已    | 108 |
| 不辱吾门      | 109 |
| 奉身若临深履薄   | 109 |
| 千岁茯苓      | 110 |
| 绝粒四十四日不死  | 112 |
| 三十年命妇仍处子  | 114 |
| 此吾家也又安归   | 116 |
| 手闭两耳      | 117 |
| 抚叔成立      | 118 |
| 感盗却鬼      | 119 |
| 汝母不复生矣    | 120 |
| 斯为贪虚花丧实果乎 | 120 |
| 玉之洁不可捏    | 121 |
| 寝所红光      | 122 |
| 逾垣而出      | 123 |
| 何忍以一身世两主  | 123 |
| 合欢枕不合欢矣   | 124 |
| 母谓儿孱弱不能也  | 124 |
| 口号书衿      | 125 |
| 愿为尔父守百代   | 126 |
| 斗麦自磨而食    | 127 |
| 守身止完本分    | 128 |
| 与亡人相隔     |     |
| 数粒微尘耳     | 128 |
| 敢不为其难者    | 129 |
| 君知死期独不知我心 | 130 |

|          |     |
|----------|-----|
| 可以见夫面矣   | 130 |
| 儿终不二志    | 131 |
| 皇天何不许我死  | 131 |
| 肠已断矣     | 132 |
| 天不欲吾夫有后矣 | 133 |
| 百年怀抱竟如斯  | 134 |
| 媳去子真死矣   | 135 |
| 吾宁可复事他人  | 135 |
| 转思之固不宜死  | 136 |
| 以是为赵女之笄耳 | 137 |
| 三十年老寡妇   | 138 |
| 晚节愈严     | 139 |
| 吾志若移视此发  | 141 |
| 悟情守贞自誓   | 142 |

#### 卷四 情中烈(上)

|         |     |
|---------|-----|
| 一马不被二鞍  | 143 |
| 睡鞋为殃    | 143 |
| 报仇不成而死  | 144 |
| 无奈我何    | 144 |
| 狗盗乃欲辱人  | 145 |
| 啮棺成穴    | 145 |
| 丑丑不丑    | 146 |
| 一门殉义    | 146 |
| 我从夫地下耳  | 147 |
| 日惨风凄山色冷 | 147 |
| 丐女      | 148 |
| 无阳不能独立  | 149 |
| 茉莉花杀烈妇  | 150 |
| 仙人渡危坐   | 150 |

|          |     |
|----------|-----|
| 风卷落花愁    | 151 |
| 保全闾邑儒家   | 152 |
| 手握中衣     | 153 |
| 山鸣三昼夜    | 153 |
| 肠在水缸下    | 154 |
| 刀穿左右颊    | 154 |
| 陡门可作首阳   | 155 |
| 吾舍儿死肯从贼耶 | 155 |
| 从三闾大夫游   | 156 |
| 伊来唤我     | 156 |
| 断臂犹取瓦    | 157 |
| 狗彘不若何圣公也 | 157 |
| 三尸绕门     | 158 |
| 尸行百步     | 158 |
| 三世节烈     | 159 |
| 蛙入寝所     | 159 |
| 我岂汝卖者    | 160 |
| 上衣青下衣白   | 161 |
| 吾母受污吾宁就死 | 161 |
| 忍从汝乱耶    | 162 |
| 死为河神     | 162 |
| 何面目与君共立  | 163 |
| 一之为甚岂可再乎 | 164 |
| 方涛作征诗启   | 164 |
| 血痕入土     | 165 |
| 子血题诗     | 166 |
| 百问无一言    | 166 |
| 甘心瞑目     | 167 |
| 血磨不灭     | 168 |
| 此其所以能守死  | 169 |

|        |     |
|--------|-----|
| 尔乃欲污我耶 | 170 |
| 我年与汝母等 | 170 |
| 吾心亦若是水 | 171 |

## 卷五 情中烈（下）

|           |     |
|-----------|-----|
| 秋叶儿       | 172 |
| 恨我一女子     |     |
| 不能断汝头     | 173 |
| 掠发伸颈请受刃   | 173 |
| 虚擲右以待     | 174 |
| 吾绝弦于斯乎    | 174 |
| 夫妻恩爱此时休   | 175 |
| 吾若畏死岂留此耶  | 175 |
| 惟知从夫而已    | 176 |
| 掷袖中双鞋     | 177 |
| 生死同科      | 177 |
| 此好事何哭为    | 178 |
| 今日得为杜氏鬼矣  | 179 |
| 好妇人好妇人    | 179 |
| 明朝娘死别     | 180 |
| 愿执帨以事将军   | 180 |
| 从不从皆死无宁先死 | 181 |
| 吾今乐死而苦生   | 181 |
| 天涯难住两人身   | 182 |
| 如此烈女子实所未见 | 183 |
| 不令汝曹独死    | 184 |
| 安能以残躯事他人  | 184 |
| 烈妇之头      | 185 |
| 女中荆蓑      | 185 |
| 裸体受屠      | 187 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 节娥投江 .....     | 188 |
| 德帐前埋大缸 .....   | 188 |
| 良家女岂若偶耶 .....  | 190 |
| 湘娥衣带诗 .....    | 190 |
| 赵五娘之妇道         |     |
| 不足法耶 .....     | 191 |
| 儿去矣 .....      | 191 |
| 其如女心何 .....    | 192 |
| 尔辈牝犬耳 .....    | 193 |
| 黄泉同归 .....     | 193 |
| 吾宁死于家 .....    | 194 |
| 凌波妇 .....      | 194 |
| 担水人妻 .....     | 195 |
| 用袋盛身投水 .....   | 195 |
| 遭时至此岂忍偷生 ..... | 196 |
| 吾来生报父德耳 .....  | 197 |
| 脱足缠缢墓上 .....   | 198 |
| 不自杀何以雪耻 .....  | 199 |
| 今为周郎死矣 .....   | 200 |
| 阳桃儿 .....      | 201 |
| 置毒衣衾 .....     | 202 |
| 小厢儿 .....      | 202 |
| 坠楼人 .....      | 203 |
| 等死耳死火不辱 .....  | 204 |
| 洞庭妇人 .....     | 205 |
| 此我殓装 .....     | 206 |
| 我倡女张凤奴也 .....  | 206 |
| 刘兰卿 .....      | 207 |
| 阿芸 .....       | 207 |

## 卷六 情中义

|                |     |
|----------------|-----|
| 吾知丧吾妻而已 .....  | 209 |
| 娶盲女 .....      | 209 |
| 不愿屈法申恩 .....   | 210 |
| 吾先请君死 .....    | 211 |
| 宁彼负儿儿不负彼 ..... | 211 |
| 吾夫瘦小不可食 .....  | 212 |
| 杜十娘再世 .....    | 213 |
| 富不易妻 .....     | 213 |
| 为地下相见之证 .....  | 214 |
| 寒香晚翠 .....     | 214 |
| 忠义乃在平康 .....   | 215 |
| 行将取信于地下耳 ..... | 215 |
| 卧冰不死 .....     | 216 |
| 佛奴皈佛 .....     | 217 |
| 彼此誓不再嫁 .....   | 217 |
| 臣殉君妻殉夫 .....   | 220 |
| 奴非碌碌市门女也 ..... | 220 |
| 不愧香名 .....     | 222 |
| 燕子楼 .....      | 222 |
| 奈何累新妇 .....    | 224 |
| 卿犹处女也 .....    | 225 |
| 论义不论情 .....    | 226 |
| 破镜见志 .....     | 227 |
| 西方迦陵鸟 .....    | 228 |
| 汝岂人耶 .....     | 232 |
| 感叹立孤之难 .....   | 233 |
| 背夫不义 .....     | 234 |
| 就义盖愆 .....     | 235 |
| 弃将谁归 .....     | 235 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 夫妇伦也病废命也 ..... | 236 |
| 白头花烛 .....     | 236 |
| 莺莺燕燕 .....     | 237 |
| 汪怜怜 .....      | 238 |
| 千万人中两人耳 .....  | 238 |
| 杨爱爱 .....      | 239 |
| 高义妇 .....      | 240 |
| 夫死我可再嫁乎 .....  | 240 |
| 女独不能代夫死乎 ..... | 241 |
| 岂有妻鬻其夫者 .....  | 241 |
| 夫妻躬身刈获 .....   | 242 |
| 劝夫置妾 .....     | 243 |
| 碎罢婚书 .....     | 243 |
| 吾夫获生乃死无憾 ..... | 244 |
| 天鉴女心 .....     | 245 |
| 庆儿 .....       | 245 |
| 金秀山 .....      | 246 |
| 柳如是 .....      | 247 |

## 卷七 情中缘

|               |     |
|---------------|-----|
| 负尸得妻 .....    | 253 |
| 婢作夫人 .....    | 254 |
| 不娶七姨娶九姨 ..... | 255 |
| 挑得花心片片新 ..... | 256 |
| 十八年伉俪缘 .....  | 256 |
| 带上绣金君卿 .....  | 258 |
| 姜八郎羊 .....    | 258 |
| 错姻缘 .....     | 260 |
| 四娘有灵 .....    | 261 |
| 黄昌 .....      | 263 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 君欲一箭射双雕耶 ..... | 263 |
| 雄已将雌胡不知 .....  | 269 |
| 转转 .....       | 272 |
| 啖春莺 .....      | 273 |
| 天赐夫人 .....     | 274 |
| 因须夙造 .....     | 275 |
| 蝎子离婚 .....     | 276 |
| 玉簪重合 .....     | 278 |
| 不忘丐夫 .....     | 278 |
| 幼子认母 .....     | 279 |
| 弹到伤心指半柔 .....  | 280 |
| 宿世冤家五年夫妇 ..... | 280 |
| 瑶台第一妃 .....    | 281 |
| 梦中屐鞋插花 .....   | 281 |
| 醉中生子 .....     | 282 |
| 禽鸣得偶 .....     | 283 |
| 此妇当大贵 .....    | 284 |
| 门前一株倒枣树 .....  | 284 |
| 何惜一女 .....     | 285 |
| 血枷何在 .....     | 286 |
| 定婚店 .....      | 287 |
| 夫妇易履 .....     | 290 |
| 芙蓉屏 .....      | 292 |

## 卷八 情中灵

|            |     |
|------------|-----|
| 绿衣人 .....  | 299 |
| 韦皋 .....   | 303 |
| 潇溪女史 ..... | 306 |
| 鬼妻 .....   | 306 |
| 瘞尸 .....   | 307 |

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 前生妻 .....       | 309 |
| 江上舟中相见 .....    | 310 |
| 死婢再生 .....      | 311 |
| 同年月日时生死 .....   | 311 |
| 若以笔污我我先杀汝 ..... | 312 |
| 前世奴 .....       | 313 |
| 行吾所安 .....      | 314 |
| 香烟绕颊 .....      | 315 |
| 再世续婚 .....      | 316 |
| 其二 .....        | 317 |
| 再生百日 .....      | 317 |
| 死则同穴 .....      | 319 |
| 死死生生 .....      | 320 |
| 紫玉成烟 .....      | 321 |
| 还魂 .....        | 323 |
| 淫人人淫 .....      | 325 |
| 矛刺不死 .....      | 326 |
| 碎壁归赵 .....      | 327 |
| 夫妇两不负 .....     | 329 |
| 坠坑而死 .....      | 329 |
| 我即自励也 .....     | 330 |
| 欢好如生 .....      | 331 |
| 杜女幽婚 .....      | 332 |

## 卷九 情中幻

|            |     |
|------------|-----|
| 吹箫奇遇 ..... | 334 |
| 黄十一娘 ..... | 335 |
| 金三妻 .....  | 335 |
| 南楼夫人 ..... | 337 |
| 梦诗 .....   | 338 |

|                      |     |
|----------------------|-----|
| 冥间甚乐 .....           | 339 |
| 七十万钱得假女 .....        | 339 |
| 固宠借种 .....           | 340 |
| 真真假假 .....           | 341 |
| 红绣鞋 .....            | 343 |
| 天下孰肯<br>以真形示人者 ..... | 343 |
| 假女 .....             | 344 |
| 唐暹 .....             | 345 |
| 空中妇人 .....           | 349 |
| 齐饶州女 .....           | 349 |
| 屏风女 .....            | 355 |
| 娟娟 .....             | 356 |
| 张倩娘 .....            | 360 |
| 雕牙秘戏像 .....          | 361 |
| 谈生 .....             | 362 |
| 沈亚之 .....            | 363 |
| 京师鬻女术 .....          | 366 |
| 软障图 .....            | 367 |
| 女伶 .....             | 368 |
| 北海道人 .....           | 369 |
| 广陵妾 .....            | 370 |
| 铁胎 .....             | 370 |
| 唾花索发 .....           | 371 |
| 妻幻形 .....            | 372 |
| 我妻本是官人 .....         | 372 |
| 毛女书 .....            | 374 |
| 能致妇人 .....           | 374 |
| 为翁翁婆婆唤去 .....        | 375 |
| 亡妻坐谈 .....           | 375 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 蓝道婆 .....    | 376 |
| 不识字妓作诗 ..... | 376 |
| 足小可藏袴中 ..... | 377 |

## 卷十 情中私

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 穿其裙见其私足矣 .....  | 378 |
| 纳定哥为娘子 .....    | 378 |
| 毋逝我梁 .....      | 379 |
| 新台 .....        | 380 |
| 新儿故儿 .....      | 381 |
| 造物弄人 .....      | 381 |
| 私幸营妓 .....      | 382 |
| 梁意娘 .....       | 383 |
| 鹌鹑白鹇 .....      | 384 |
| 盈盈 .....        | 386 |
| 才子佳人应有此 .....   | 387 |
| 偷香 .....        | 390 |
| 春思满红船 .....     | 391 |
| 兰蕙联芳 .....      | 394 |
| 非今日几虚作一世人 ..... | 398 |
| 姜宝玉 .....       | 401 |

## 卷十一 情中爱

|               |     |
|---------------|-----|
| 此真梁鸿妻也 .....  | 402 |
| 羹污朝衣 .....    | 403 |
| 比肩人 .....     | 403 |
| 苏娘愿得谢郎衣 ..... | 404 |
| 我爱你白头乌肉 ..... | 404 |
| 见妻如宾 .....    | 405 |
| 卿卿 .....      | 405 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 菩萨看麻胡 .....    | 405 |
| 始知天下有丈夫 .....  | 406 |
| 一生辜负看花心 .....  | 406 |
| 下床答拜 .....     | 407 |
| 寄衣 .....       | 407 |
| 相公怜玉腕 .....    | 408 |
| 为公子点筹 .....    | 408 |
| 市鱼三斩 .....     | 410 |
| 甘后 .....       | 410 |
| 红泪温罗巾 .....    | 411 |
| 温都监女 .....     | 412 |
| 王巧儿 .....      | 413 |
| 认取姑苏沈五娘 .....  | 414 |
| 南都妓 .....      | 415 |
| 真凤歌 .....      | 416 |
| 马琼琼 .....      | 416 |
| 抚松采药终其身 .....  | 419 |
| 莫教儿女衣芦花 .....  | 420 |
| 般般丑 .....      | 420 |
| 金簪刺目 .....     | 421 |
| 李师师 .....      | 421 |
| 各留不尽之情 .....   | 423 |
| 毋忘贫贱凄凉味也 ..... | 424 |
| 玉笛宫词 .....     | 425 |
| 服砒愈癩 .....     | 426 |
| 蜀娼能文 .....     | 426 |
| 丽娟 .....       | 427 |
| 笑服新衣 .....     | 427 |
| 云娘 .....       | 428 |
| 汪蟾辉 .....      | 426 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 濮小姑 .....     | 431 |
| 莲霞 .....      | 433 |
| 李爱珠 .....     | 434 |
| 凤彩 .....      | 435 |
| 李玉桂 .....     | 436 |
| 苏小莲 .....     | 438 |
| 方俊官 李桂官 ..... | 439 |
| 魏三儿 .....     | 439 |
| 董小宛 .....     | 439 |
| 蔷薇 .....      | 444 |
| 绿春 .....      | 445 |
| 胡成静 .....     | 445 |
| 若青 .....      | 447 |
| 许寿子 .....     | 447 |
| 玉素 .....      | 448 |
| 陈小怜 .....     | 448 |
| 红娘子 .....     | 451 |
| 李春江 .....     | 451 |
| 杨月楼 .....     | 452 |
| 汪桂芬 .....     | 454 |
| 杨小楼 .....     | 454 |
| 万人迷 .....     | 455 |
| 张少卿 .....     | 456 |
| 艳妹 .....      | 457 |
| 曾春姑 .....     | 458 |
| 郭十娘 .....     | 459 |
| 琳娘 .....      | 462 |
| 潘娟 .....      | 462 |
| 小五宝 .....     | 463 |

## 卷十二 情中媒

|               |     |
|---------------|-----|
| 纤手诗 .....     | 465 |
| 小师妓赐王景 .....  | 465 |
| 京口倡 .....     | 466 |
| 以妓饵父 .....    | 466 |
| 逾墙搂处子 .....   | 467 |
| 方媼择婿 .....    | 468 |
| 花叶题诗 .....    | 469 |
| 天下有心人 .....   | 469 |
| 莫不绝倒 .....    | 470 |
| 清江引 .....     | 471 |
| 二十八字媒 .....   | 472 |
| 小词为红叶 .....   | 473 |
| 武昌妓 .....     | 473 |
| 姚牧庵 .....     | 474 |
| 聂胜琼 .....     | 475 |
| 杨越渔 .....     | 476 |
| 四十年前二十三 ..... | 476 |
| 虎媒 .....      | 477 |
| 吾为卿媒可乎 .....  | 478 |
| 氍毹大使 .....    | 479 |
| 回回偈 .....     | 480 |
| 选婿窗 .....     | 481 |
| 周商女 .....     | 481 |
| 柳亭亭 .....     | 482 |
| 新柳 .....      | 488 |
| 杏绡 .....      | 491 |

## 卷十三 情中感

|            |     |
|------------|-----|
| 题雪美人 ..... | 494 |
|------------|-----|

|               |     |
|---------------|-----|
| 感梦 .....      | 494 |
| 热羹重进 .....    | 495 |
| 左贵嫔 .....     | 495 |
| 老婆牙 .....     | 495 |
| 坠楼不伤 .....    | 496 |
| 傅女 .....      | 496 |
| 君到来时近夜来 ..... | 498 |
| 两边花 .....     | 498 |
| 李章武 .....     | 498 |
| 呼妻再三 .....    | 503 |
| 感媚改行 .....    | 503 |
| 图形诗 .....     | 504 |
| 足抵一篇琵琶行 ..... | 505 |
| 郑德璘 .....     | 505 |
| 织锦回文 .....    | 509 |
| 相公且忍耐区处 ..... | 510 |
| 张好好 .....     | 511 |
| 莫负寒梅旧日香 ..... | 511 |
| 我杨氏婢耳 .....   | 512 |
| 雁字长短句 .....   | 512 |
| 姑以婢事试汝 .....  | 513 |
| 魏公婢 .....     | 514 |
| 题倚屏美人 .....   | 514 |
| 谭鑫培 .....     | 515 |
| 董年 .....      | 517 |
| 尹子春 .....     | 517 |
| 尹文 .....      | 517 |
| 田桂凤 .....     | 518 |
| 程黛香 .....     | 518 |

#### 卷十四 情中痴

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 古田媚 .....       | 520 |
| 双磷 .....        | 520 |
| 卜嘉会 .....       | 521 |
| 仿少年戏笑 .....     | 522 |
| 水出高原 .....      | 522 |
| 田令人 武恭人 .....   | 523 |
| 却要 .....        | 523 |
| 佳目得一足矣 .....    | 524 |
| 痴是不痴,不痴是痴 ..... | 525 |
| 黄妓骗诗 .....      | 525 |
| 长桥月短桥月 .....    | 526 |
| 不知东方之既白 .....   | 527 |
| 花如解语还多事 .....   | 527 |
| 醉妆 .....        | 528 |
| 如此凉人何 .....     | 528 |
| 何处得此二痴物 .....   | 529 |
| 自寻鬼趣 .....      | 530 |
| 两少年争嬖一老姬 .....  | 530 |
| 拉花 .....        | 531 |
| 安得以媼为戏 .....    | 532 |
| 鸳鸯新家 .....      | 533 |
| 最是五更留不住 .....   | 567 |
| 裸身绕岳父三匝 .....   | 568 |

#### 卷十五 情中豪

|               |     |
|---------------|-----|
| 白头宫女说当年 ..... | 569 |
| 翠妃 .....      | 570 |
| 一钗直百七十万 ..... | 571 |
| 同昌公主 .....    | 571 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 凤毛金帐 .....     | 573 |
| 炀帝 .....       | 573 |
| 饮酒不尽斩美人 .....  | 580 |
| 妾媵数百 .....     | 581 |
| 北路鱼南路徐 .....   | 581 |
| 杀千金五花马 .....   | 582 |
| 半年靡金钱数百万 ..... | 583 |
| 玄宗 .....       | 583 |
| 宋郊 .....       | 585 |
| 是厕耳 .....      | 585 |
| 诸妓走马楼 .....    | 585 |
| 芳尘粘雨 .....     | 586 |

|             |     |
|-------------|-----|
| 锦帐二十里 ..... | 586 |
| 题九迷诗 .....  | 587 |
| 暖手 .....    | 587 |
| 名士风流 .....  | 588 |
| 元顺帝 .....   | 591 |
| 你莫思量我 ..... | 595 |
| 苏媛媛 .....   | 595 |
| 秋容 .....    | 596 |
| 桂怜 .....    | 600 |
| 杨翠喜 .....   | 601 |
| 顾眉生 .....   | 602 |

## ( 下 册 )

### 卷十六 情中报

|               |     |
|---------------|-----|
| 张夫人 .....     | 605 |
| 遗绣履 .....     | 606 |
| 苔痕化作雪江清 ..... | 607 |
| 落梅杀妾 .....    | 607 |
| 死后毒夫 .....    | 609 |
| 剖腹取书 .....    | 609 |
| 分明依样画葫芦 ..... | 610 |
| 风流误人 .....    | 610 |
| 高邮某君 .....    | 611 |
| 我还尔命 .....    | 612 |
| 严武逃妾 .....    | 613 |
| 孙助教女 .....    | 615 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 王玉英 .....     | 618 |
| 张红红 .....     | 621 |
| 李娃 .....      | 622 |
| 呼嫂之报 .....    | 632 |
| 碧霞犀手串 .....   | 633 |
| 刘自然 .....     | 634 |
| 李公子 .....     | 635 |
| 红奴儿 .....     | 644 |
| 红泪一双流 .....   | 645 |
| 太原意娘 .....    | 647 |
| 何惜为人一看耶 ..... | 649 |
| 故夫投书 .....    | 650 |
| 路三宝朱文英 .....  | 651 |
| 十三旦 .....     | 652 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 陕伶 .....      | 655 |
| 梅巧玲 .....     | 657 |
| 黄桂英及婢阿招 ..... | 659 |

## 卷十七 情中谐

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 偷闲学拜年 .....     | 662 |
| 涕泣女吴 .....      | 622 |
| 尼嫁士人 .....      | 663 |
| 月夜招邻僧闲话 .....   | 663 |
| 仿春秋 .....       | 663 |
| 耕余凿旧 .....      | 664 |
| 赠妾诗 .....       | 664 |
| 独不见建义井者乎 .....  | 664 |
| 吊丧妻 .....       | 665 |
| 秃疮天子跛足皇后 .....  | 665 |
| 春色 .....        | 666 |
| 溺爱不明 .....      | 666 |
| 妓谑 .....        | 666 |
| 老僧最惧内 .....     | 667 |
| 名士是何物值几文钱 ..... | 667 |
| 牛姓喜联 .....      | 667 |
| 纽扣诗 .....       | 668 |
| 忠孝娘 .....       | 668 |
| 素娥 .....        | 668 |
| 阴阳生 .....       | 669 |
| 破瓜无元 .....      | 669 |
| 卷耳 .....        | 669 |
| 嫁娶谑词 .....      | 669 |
| 夫人裙带 .....      | 670 |
| 君子有三畏 .....     | 670 |

|                       |     |
|-----------------------|-----|
| 确对 .....              | 671 |
| 糟糠妾 .....             | 671 |
| 我自哭亡妾耳 .....          | 671 |
| 一肚皮不合时宜 .....         | 672 |
| 茶亦能病人 .....           | 672 |
| 娶重婚妇 .....            | 673 |
| 以我姓伍故相弄耳 .....        | 673 |
| 天使其然 .....            | 673 |
| 众鸟欣有托 .....           | 674 |
| 正烧着大云寺门 .....         | 675 |
| 管夫人 .....             | 675 |
| 歌妇嘲僧 .....            | 675 |
| 烟蓑乘夜护花台 .....         | 676 |
| 你小是小，<br>也是个老爷 .....  | 676 |
| 嘲李端端 .....            | 677 |
| 郭素学王轩 .....           | 678 |
| 米言 .....              | 679 |
| 只写“姊夫生”可也 .....       | 680 |
| 谁是阿奴他 .....           | 681 |
| 一韵对 .....             | 681 |
| 秀才张妓 .....            | 682 |
| 梧州竹枝 .....            | 682 |
| 花么凤 .....             | 683 |
| 嘲老人娶少妇 .....          | 683 |
| 五似 .....              | 684 |
| 此事岂可使卿有助耶 .....       | 684 |
| 兄妹相谑 .....            | 685 |
| 便是皇后<br>也少那两块不得 ..... | 685 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 必为人呼作白猴耳  | 685 |
| 酒楼题壁      | 686 |
| 嫖夫续娶登车妇诗  | 686 |
| 不见阿婆三五少年时 | 686 |
| 陈玉卿       | 687 |
| 大姑        | 688 |
| 荷官        | 688 |
| 赶三        | 689 |
| 马湘兰       | 689 |

## 卷十八 情中案

|         |     |
|---------|-----|
| 妇人何独知为夫 | 691 |
| 王氏判     | 691 |
| 哭妻抵法    | 692 |
| 乘氏疑狱    | 693 |
| 断足      | 694 |
| 咏械      | 695 |
| 孙秀      | 695 |
| 河南农家子   | 696 |
| 释母拘妻    | 699 |
| 清涧疑案    | 699 |
| 杀人者此    | 700 |
| 夺节      | 702 |
| 为珠细死    | 703 |
| 张氏狱     | 704 |
| 红绣鞋     | 704 |
| 碎尸投水    | 708 |
| 哭声      | 708 |
| 妖僧自号大比邱 | 709 |
| 卢生      | 710 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 断离婚       | 711 |
| 是汝杀少夫     | 711 |
| 黟县二案      | 712 |
| 麻城狱       | 716 |
| 黠仆污主      | 720 |
| 是乃死于阴淫寒疾也 | 721 |
| 神鹊鸣冤      | 722 |
| 不媚汝子将奈何   | 723 |
| 银钏狱       | 724 |
| 总赖东君主     | 726 |
| 煮人冤狱      | 727 |
| 郴连秀才      | 728 |
| 耿愚        | 729 |
| 唐公漱狱      | 730 |
| 杀猪验罪      | 732 |
| 和尚内棺      | 732 |
| 杀婢函首      | 733 |
| 判妓九尾狐     | 733 |
| 乌程狱       | 734 |
| 平山僧       | 735 |
| 移妻同宿狱中    | 736 |
| 片言折狱      | 737 |
| 借蛙陷夫      | 738 |
| 独正宋娥奸罪    | 738 |
| 王探花判      | 739 |
| 嫁嫁嫁       | 740 |
| 妇人能一掌致人死乎 | 740 |
| 争葬亡母判     | 741 |
| 汝妻父智人也    | 741 |
| 陈丙杀妻判     | 741 |